patrika

महाकुंभ 2025

DIGITAL GUIDE

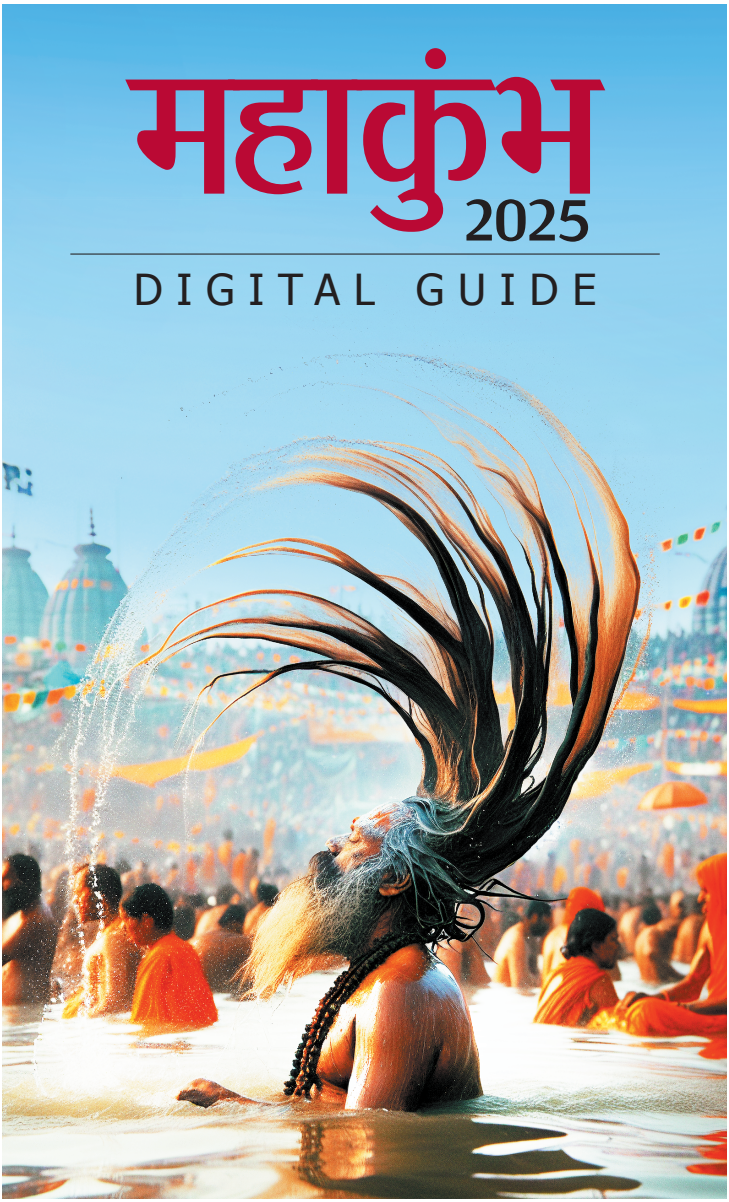

महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक आयोजन

महाकुंभ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम है। 12 साल में एक बार आयोजित होने वाला सनातन धर्म का उत्सव महाकुंभ का शुभारंभ 13 जनवरी को पहले शाही स्नान के साथ होने जा रहा है। यह खगोलशास्त्र, ज्योतिष, आध्यात्मिकता और सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं का संगम है। इसमें करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती के पवित्र संगम पर स्नान करने के लिए आते हैं। मुख्य रूप से इस समागम में तपस्वी, संत, साधु- साध्वियां, कल्पवासी और देश-विदेश के तीर्थयात्री शामिल होते हैं।45 दिनों तक चलने वाले इस महाकुंभ में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के अनुसार, यहां अस्थायी नगरी का निर्माण किया जा चुका है।

इस बार यहां एक अलग दुनिया का अहसास होगा। इस महाकुंभ नगर में बहुत ही मनोहारी दृश्य दिखाई देने वाले हैं, जो श्रद्धालुओं को दिव्यता से भर देंगे। सबसे पहले मेला क्षेत्र में प्रवेश करते ही पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन में निकलने वाले 14 रत्नों का दर्शन होगा। इसके बाद नंदी द्वार और भोले भंडारी का विशालकाय डमरू नजर आएगा। इसी के साथ समुद्र मंथन द्वार और कच्छप द्वार समेत 30 विशेष तोरण द्वार श्रद्धालुओं को देवलोक की अनुभूति कराएंगे।

12 वर्ष पर ही क्यों होता है कुंभ

कुंभ देवताओं के 12 दिन हम मनुष्यों के 12 वर्ष के बराबर होते हैं। इसी कारण कुंभ 12 वर्ष में आयोजित किया जाता है। जब सूर्य मेष राशि में बृहस्पति कुंभ में होते हैं, तब हरिद्वार में कुंभ लगता है। जब बृहस्पति वृषभ राशि में और सूर्य मकर राशि में हो तो प्रयागराज में होता है। जब सूर्य बृहस्पति दोनों वृश्चिक राशि में होते हैं तो उज्जैन में होता है। बृहस्पति और सूर्य सिंह राशि में स्थित होने पर कुंभ नासिक में होता है। हरिद्वार एवं प्रयाग में 6 साल पर अर्ध कुंभ होता है। कुंभ स्नान से सभी ज्ञात-अज्ञात पाप-ताप मिट जाते हैं।

शोध का विषय बना

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ अब वैश्विक शोध का विषय बन चुका है। देश और दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और संस्थान इस बार महाकुंभ के विभिन्न पहलुओं पर शोध करेंगे। इनमें हार्वर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन जैसे संस्थान भी शामिल हैं। ये प्रबंधन, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, पर्यावरणीय चुनौतियों, पर्यटन और डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर अध्ययन करेंगे। महाकुंभ को 2017 में यूनेस्को ने अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा दिया था।

कहां से आया 'कुंभ' शब्द?

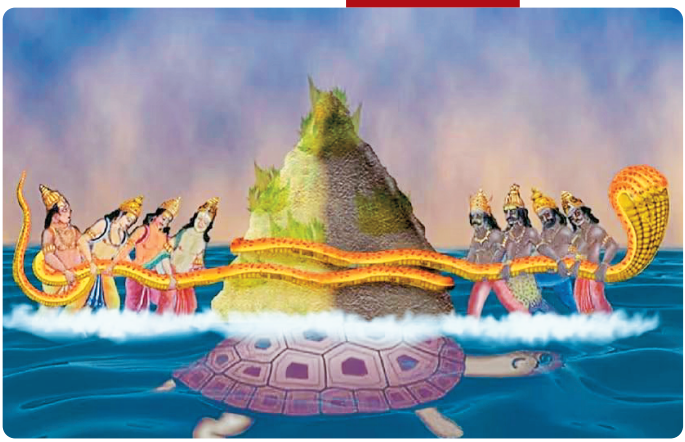

- **'कुंभ'** मूल शब्द 'कुम्भक '(अमृत का पवित्र घड़ा) से आया है। ऋग्वेद में 'कुम्भ' और उससे जुड़े स्नान अनुष्ठान का उल्लेख है।
- **धार्मिक ग्रंथों** के अनुसार कुंभ उज्जैन, नासिक, हरिद्वार व प्रयागराज में प्रति 12 वर्ष में आयोजित होता है इस प्रकार यह कुंभ इन चार पवित्र स्थान में प्रत्येक 3 वर्ष में लगता है। इसे पूर्ण कुंभ कहते हैं। जब 12 पूर्ण कुंभ का आयोजन हो जाता है, तब एक महाकुंभ का आयोजन होता है यानी 144 साल बाद यह महाकुंभ हो रहा है।
- **पौराणिक कथा** के अनुसार ऋषि दुर्वासा या मुनि दुर्वासा के श्राप के कारण पृथ्वी श्री विहीन हो गई तो देवताओं के प्रार्थना पर विष्णु भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के लिए कहा देवासुरों ने मिलकर समुद्र मंथन कर 14 रत्न प्राप्त किया। अंत में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। इंद्र के संकेत पर जयंत अमृत कलश लेकर भागे, तो असुर भी पीछे भागे। 12 दिन तक युद्ध होता रहा तथा जिन दो स्थानों पर अमृत छलका वहां कुंभ का आयोजन होने लगा।

पंडित नंदन मिश्र
यजुस्सामाथर्ववेदाचार्य

महाकुंभ में स्नान का महत्व

- एक जगह पर करोड़ों भक्त एकत्र होते हैं और एक ही उद्देश्य से स्नान करते हैं। यह समाज में एकता, भाईचारे और समभाव की भावना को प्रोत्साहित करता है।
- हिंदू धर्म में यह विश्वास है कि महाकुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह स्नान आत्मशुद्धि का प्रतीक माना जाता है।
- जीवन को पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।
- भगवान के प्रति आस्था में वृद्धि होती है। यह एक प्रकार का साधना और तपस्या भी माना जाता है।
- यह भारतीय संस्कृति और धर्म का अभिन्न हिस्सा है। इसमें स्नान करना एक प्राचीन परंपरा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही है।
- दुर्लभ साधु-संतों और गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होता है। इससे आत्मिक उन्नति होती है।
- कुंभ स्नान से सभी ज्ञात अज्ञात पाप-ताप मिट जाते हैं ज्ञात ज्ञात ज्ञात ज्ञात प्राप्त मिट जाते हैं।
- गंगा जमुना सरस्वती त्रिवेणी संगम में स्नान दान का अतिशय फल मिलता है।

घोर तपस्या के बाद बनते हैं नागा साधु

कड़कड़ाती ठंड में जहां लोगों की हालत बुरी हो जाती है, वहीं नागा साधु हर मौसम में बिना कपड़े के रहते हैं। इनकी एक अलग ही निराली दुनिया होती है। एक नागा साधु बनने में लगभग 12 साल लग जाते हैं। सबसे पहले ब्रह्मचर्य की शिक्षा लेनी होती है और फिर महापुरुष की दीक्षा के बाद यज्ञोपवीत होता है। इसके बाद उन्हें अपने परिवार और स्वयं अपना पिंडदान करना होता है। इस प्रकिया को 'बिजवान' कहा जाता है। इस दौरान वे लंगोट के अलावा और कुछ भी नहीं पहनते। कुंभ मेले में प्रण लेने के बाद वह इस लंगोट का भी त्याग कर देते हैं और जीवनभर नग्न अवस्था में ही रहते हैं। जीवनभर कुटिया में रहते हैं और जमीन पर ही सोते हैं। नागा साधु एक दिन में सात घरों से भिक्षा मांग सकते हैं, यदि इन घरों से भिक्षा मिली तो ठीक वरना इन्हें भूखा ही रहना पड़ता है। ये पूरे दिन में केवल एक समय ही भोजन ग्रहण करते हैं। ये युद्ध कला में माहिर होते हैं। नागा साधु ज्यादातर जुना अखाड़े में होते हैं। वहीं, महिला नागा साधु माई बाड़ा में होती हैं, जिसे अब दशनाम संन्यासिनी अखाड़ा का नाम दिया गया है।

प्रयागराज के प्रमुख घाट

अगर आप महाकुंभ के महापर्व में शामिल होने जा रहे हैं, तो इन पवित्र घाटों का महत्व जानना बहुत जरूरी है।

संगम घाट

महाकुंभ के दौरान यह घाट आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र माना जाता है, क्योंकि यही वह घाट है जिसको संगम कहा जाता है। इस घाट पर ही तीनों पवित्र नदियों का मिलन होता है। मान्यता है कि जो भी यहां स्नान करते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

हांडी फोड़ घाट

यह प्रयागराज के प्राचीन घाटों में से एक है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मशहूर है। यहां श्रद्धालु शांत लहरों और नदियों की मधुर ध्वनियों का आनंद लेते हैं। यहां का पवित्र वातावरण इसको आकर्षक बनाता है।

बलुआ घाट

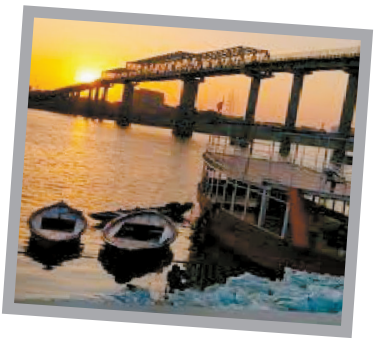

यह घाट भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों से दूर है। यहां का वातावरण ध्यान और योग के लिए उपयुक्त है। साधु-संत भी अपने प्रवचन के लिए इसी घाट को चुनते हैं। इसका नाम यमुना नदी के तल में जमी उस बलुआ रेत से लिया गया है, जो धार्मिक दृष्टि से पवित्र मानी जाती है।

दशाश्वमेध घाट

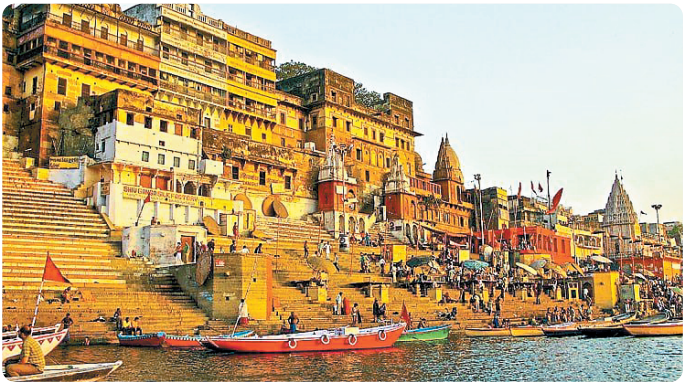

यह त्रिवेणी संगम के पवित्र घाटों में से एक है। पौराणिक मान्यता है कि इस पवित्र घाट पर ब्रह्माजी ने 10 अश्वमेध यज्ञ किए थे। इस घाट पर महाकुंभ के दौरान गंगा आरती और भजन-पूजा की जाती है, जो इसकी धार्मिक विशेषता को दर्शाता है।

केदार घाट

यह घाट भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इसलिए यहां खास तौर से शिव भक्त पवित्र स्नान करके भगवान शिव की पूजा-आराधना करते हैं। यहां की शांति श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचती है।

महाकुंभ के आकर्षण केंद्र

इस बार महाकुंभ में श्रद्धालुओं को देवलोक की अनुभूति कराने के लिए 30 पौराणिक तोरण द्वार बनाए गए हैं। इसमें प्रवेश करते ही समुद्र मंथन के 14 रत्नों के दर्शन होंगे। इनमें ऐरावत, कामधेनु गाय, घोड़ा, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा अप्सरा, महालक्ष्मी, चंद्रमा, शारंग धनुष, शंख, धन्वंतरि, अमृत आदि शामिल हैं। इसके बाद जैसे ही आगे बढ़ेंगे शिव शंभु का विशालकाय डमरू दिखेगा। इस डमरू की लंबाई 100 फीट व ऊंचाई लगभग 50 फीट से भी अधिक है। इसके साथ ही कच्छप, समुद्र मंथन और नंदी द्वार के दुर्लभ नजारे देखने को मिलेंगे।

प्रयागराज के दर्शनीय स्थल

- मनकामेश्वर मंदिर
- वेणी माधव का मंदिर
- इलाहाबाद संग्रहालय
- जवाहर तारा मंडल
- लेटे हुए श्री हनुमान जी मंदिर
- अखिलेश्वर महादेव मंदिर
- खुसरो बाग
- आनंद भवन म्यूजियम
- शंकर विमान मंडपम
- भारद्वाज आश्रम
- तक्षकेश्वर नाथ मंदिर
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय
- प्रयाग संगीत समिति
- अकबर फोर्ट
- दशाश्वमेधमंदिर

निकटवर्ती तीर्थ स्थल

- विंध्याचल
- चित्रकूट
- वाराणसी
- अयोध्या

सतर्कता से करें बुकिंग

साइबर क्रिमिनल्स फर्जी वेबसाइट्स बनाकर कम कीमत में होटल या कॉटेज की बुकिंग करने का लालच दे रहे हैं। ऐसे में आप चौकन्ने हो जाएं और रजिस्टर्ड वेबसाइट से ही बुकिंग करें। उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन ने प्रयागराज के रजिस्टर्ड होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस की एक लिस्ट जारी की है। जिसमें नाम, पते के साथ ही कॉन्टेक्ट नंबर भी दिए गए हैं। यह लिस्ट महाकुंभ और प्रयागराज की इस ऑफिशियल वेबसाइट https://kumbh.gov.in/ पर मौजूद है। इस वेबसाइट पर कुंभ से जुड़ी जानकारी है।

स्लीपिंग पॉड्स

इन कैप्सूलनुमा स्लीपिंग पॉड्स में भी आप ठहर सकते हैं। इस बार कुंभ की तैयारियों में लोगों के ठहरने की व्यवस्था के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इनमें यह पॉड्स भी टेंट सिटी में बनाए गए हैं। इनमें कम्बल, लाइट, चार्जिंग पॉइंट, वॉश रूम, बाथरूम, गीजर, बैड आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। जापान और चाइना में इस तरह के कैप्सूलनुमा पॉड्स का चलन है। इसमें सिंगल, डबल एवं फैमिली पॉड्स अवेलेबल हैं, जिनका किराया कुछ इस तरह है-

सिंगल पॉड: 24 घंटे का **2,999** रुपए एवं 12 घंटे का **2,000**

कपल पॉड: 24 घंटे का **4,999** रुपए एवं 12 घंटे का **2,000**

फैमिली पॉड: 24 घंटे का **9,999** रुपए एवं 12 घंटे का **6,000**

लग्जरी कॉटेज

विष्णु निवास, अर्जुन निवास, राम निवास और कृष्ण निवास नामक कॉटेज का किराया 10 हजार रुपए से लेकर 50 हजार रुपए प्रति रात्रि है। इसमें भोजन शामिल है।

कॉटेज की खूबियां

ऑटोमैटिक इलेक्ट्रॉनिक स्पीकर से वैदिक मंत्रोच्चार, बिना लहसुन-प्याज का सात्विक भोजन, आध्यात्मिक गीत-संगीत और योगा सेशन। 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही नाश्ता, लंच और डिनर।

प्रीमियम टेंट एवं डीलक्स कॉटेज की बुकिंग

भारतीय रेलवे की इस आधिकारिक वेबसाइट https://irctctourism.com/mahakumbhgram से पर जाकर डीलक्स कॉटेज, लग्जरी सुइट या प्रीमियम सुइट टेंट बुक करवा सकते हैं।

फायर एवं बुलेट प्रूफ डोम सिटी

इसमें सुपर लग्जरी सुविधाएं हैं। इसमें एक दिन ठहरने के लिए 81 हजार रुपए से एक लाख रुपए तक है।

महाकुंभ में ठहरने संबंधी बुकिंग की ऑफिशियल वेबसाइट
https://kumbh.gov.in/en/wheretostaylist

(**नोट:** किराए एवं अन्य दरें आधिकारिक सूचनाओं पर आधारित हैं, इनमें बदलाव संभव है)

ट्रेवल गाइड

कुंभ स्पेशल ट्रेनों का संचालन

भारतीय रेलवे ने महाकुंभ के दौरान 13,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित किया है। इनमें 10,000 नियमित सेवाएं और 3,000 कुंभ विशेष ट्रेनें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 560 ट्रेनें रिंग रेल मार्गों पर चलेंगी, जिससे प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, जौनपुर और चित्रकूट जैसे प्रमुख स्थानों के बीच रेल संपर्क बना रहेगा।

जयपुर से प्रयागराज आगमन और प्रस्थान

■ प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस (12403/12404)

ट्रेन प्रयागराज जंक्शन से रात 11.15 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन दोपहर 12.20 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचती है। ट्रेन सप्ताह में चार दिन सोम, मंगल, गुरु और शनिवार को संचालित होती है।

■ गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस (15634)

ट्रेन गुवाहाटी से चलती है और प्रयागराज जंक्शन होते हुए जयपुर आती है। प्रयागराज से इसके चलने का समय सुबह 11.35 बजे है और रात 10.55 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचती है। ट्रेन रविवार को संचालित होती है।

■ सियालदेह-अजमेर एक्स. (12987)

ट्रेन सियालदेह से प्रयागराज होते हुए अजमेर तक आती है। प्रयागराज जंक्शन से रात 11.55 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 11.15 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचती है। यह ट्रेन सप्ताह में नियमित रूप से संचालित होती है।

■ अनन्या एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12315)

ट्रेन कोलकाता से होते हुए सुबह 4 बजे प्रयागराज पंहुचती है और वहां से सुबह 4.05 बजे प्रस्थान करती है और शाम 3.55 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचती है। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन गुरुवार को संचालित होती है।

■ प्रताप एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12496)

ट्रेन कोलकाता से सुबह 10.45 बजे निकलती है और 5.20 बजे बीकानेर पंहुचती है। प्रयागराज जंक्शन पंहुचने का समय रात 11.30 बजे का है। यदि आप इस ट्रेन से वापस आना चाहते हैं तो अगले दिन यह रात 10.35 बजे जयपुर आ सकते हैं। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन शुक्रवार को चलती है।

■ हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस (22307)

ट्रेन हावड़ा जंक्शन से सुबह 11.30 बजे निकलती है और शाम 6.15 बजे बीकानेर जंक्शन पंहुचती है। प्रयागराज जंक्शन पर सुबह 12.15 बजे आने के बाद 12.20 बजे प्रस्थान करती है और रात 11.55 बजे जयपुर जंक्शन पहुंचती है। ट्रेन मंगलवार, शुक्रवार और शनिवार को चलती है।

■ जियारत एक्सप्रेस (12395)

बिहार के राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन से चलने वाली यह ट्रेन जयपुर होते हुए अजमेर तक जाती है। हर बुधवार चलती है। यह राजेंद्र नगर से शाम 5.30 बजे चलती है और दोपहर 1.15 बजे प्रयागराज पहुंचती है। यहां से 1.20 बजे ट्रेन प्रस्थान करती है और दूसरे दिन दोपहर 1 बजे जयपुर आती है, जबकि अजमेर पहुंचने का समय दोपहर तीन बजे का है।

■ डिसक्लेमर

ट्रेन के समय और उपलब्धता में परिवर्तन संभव है। यात्रा से पूर्व रेलवे वेबसाइट या विश्वसनीय स्रोतों से समय सारिणी और सीट उपलब्धता की पुष्टि अवश्य करें।

ट्रेवल गाइड

रायपुर से प्रयागराज आगमन और प्रस्थान

■ बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस (15231)

बरौनी से चलने वाली यह ट्रेन प्रयागराज जंक्शन होते हुए रायपुर जाती है। कुंभ मेले से रायपुर की ओर लौटने वाले यात्री इस ट्रेन से वापसी कर सकते हैं। यह ट्रेन रात 1.30 बजे प्रयागराज से प्रस्थान करती है और 2.45 बजे रायपुर पहुंचती है। यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित होती है।

■ सारनाथ एक्सप्रेस (15159)

ट्रेन सुबह 7.10 बजे छपरा से चल कर दोपहर 3.15 बजे प्रयागराज जंक्शन पंहुचती है और वहां से पांच मिनट बाद प्रस्थान करती है। कई स्टेशनों से गुजरती हुई ट्रेन 5.45 बजे रायपुर पहुंचती है। यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित होती है।

■ नौतनवा दुर्ग एक्सप्रेस (18202)

ट्रेन नौनतवा से दुर्ग तक चलती है। सोमवार और शुक्रवार को चलने वाली यह ट्रेन प्रयागराज छिवकी जंक्शन रात 9.55 बजे पहुंचती है। पांच मिनट के स्टॉपेज के बाद यह प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 11.55 बजे रायपुर जंक्शन पहुंचती है।

■ छत्तीसगढ़-प्रयागराज मेला स्पेशल

08251/08252 रायगढ़-वाराणसी-रायगढ़ कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन चलेगी।

08791/08792 दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन चलेगी।

08253/08254 बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन चलेगी।

भोपाल से प्रयागराज आगमन और प्रस्थान

■ गोरखपुर-अहमदाबाद एक्स. (19490)

ट्रेन गोरखपुर जंक्शन से सुबह 9.20 बजे निकलती है और प्रयागराज होते हुए अहमदाबाद जाती है। प्रयागराज छिवकी जंक्शन से यह 5.25 बजे प्रस्थान करती है और लगभग 10 घंटे 18 मिनट की यात्रा के बाद शाम 7.55 बजे उज्जैन पहुंचती है। यह मंगलवार को नहीं चलती।

■ प्रयागराज-दादर एक्सप्रेस (14116)

ट्रेन प्रयागराज जंक्शन से दोपहर 3.20 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन 6.30 बजे उज्जैन पंहुचती है।

■ कामायनी एक्सप्रेस (11072)

ट्रेन बलिया से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच सात दिन चलती है। यह प्रयागराज जंक्शन से शाम 7.20 बजे प्रस्थान करती है और रात 7.35 बजे भोपाल पहुंचती है।

■ तुलसी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22130)

ट्रेन प्रयागराज जंक्शन से शाम 6.30 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 7 बजे भोपाल पहुंचती है। मुंबई जाने वाले यात्री भी इससे यात्रा कर सकते हैं।

ग्वालियर व खजुराहो से प्रयागराज छिवकी के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख स्नान दिवस पर चार अनारक्षित गाड़ियों का संचालन होगा।

■ **ये** ट्रेनें ग्वालियर व खजुराहो स्टेशन से 12 से 16 जनवरी, 28 जनवरी से 5 फरवरी, 11 से 14 फरवरी और 25 से 28 फरवरी तक संचालित होंगी।

■ प्रयागराज छिवकी से ग्वालियर व खजुराहो के लिए 13 से 17 जनवरी, 29 जनवरी से 6 फरवरी, 12 से 15 फरवरी, 26 फरवरी से 1 मार्च तक संचालित होंगी।

■ **ग्वालियर-प्रयागराज (01815)**

■ **खजुराहो-प्रयागराज (01817)**

■ **प्रयागराज छिवकी-ग्वालियर (गाड़ी संख्या 01816)**

■ **प्रयागराज छिवकी-खजुराहो (गाड़ी संख्या 01818)**

ट्रेवल गाइड

सिंगल ट्रिप मेला स्पेशल ट्रेन

■ **(07087) मौला अली-वाराणसी महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन**

17 फरवरी को मौला अली स्टेशन से रात 23.55 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन शाम 17.40 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 11.10 बजे वाराणसी स्टेशन पहुंचेगी।

■ **(07088) वाराणसी-मौला अली महाकुंभ मेला विशेष ट्रेन**

19 फरवरी को शाम 19.15 बजे वाराणसी स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन 14.40 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सुबह 07.00 बजे मौला अली स्टेशन पहुंचेगी।

प्रयागराज रेल मंडल में मिलेगी ये सुविधाएं

- वेटिंग रूम व वेटिंग हॉल
- स्लीपिंग पॉड्स
- बुजुर्गों, दिव्यांगों के लिए प्लेटफॉर्म पर आवागमन के लिए बैट्री चालित कारें।
- रिटायरिंग रूम
- एग्जीक्यूटिव लाउंज
- खानपान की सुविधा
- व्हील चेयर
- रेलवे स्टेशन के बाहर सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था
- क्लॉक रूम
- प्राथमिक चिकित्सा बूथ
- पर्यटक बूथ
- प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र
- बहुभाषी घोषणा का प्रावधान

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को ट्रेन प्रस्थान समय, परिचालन स्टेशन, टिकट घर, आश्रय स्थल समेत अन्य जानकारी पाने के लिए प्रयागराज रेल मंडल ने टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 18004199139 जारी की है।

'कलर कोड' से पहुंचे ट्रेन तक

यात्री अपने ट्रेन का रूट याद रखें, इसके लिए प्रयागराज रेल मंडल ने कुछ कलर कोड तैयार किए हैं। इन रंगों के निशान के साथ यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने की सही दिशा पा सकेंगे और ट्रेन ढूंढने के लिए परेशानी नहीं होगी।

- **लाल:** लखनऊ, वाराणसी की ओर जाने वाली ट्रेन के लिए।
- **नीला:** मुगलसराय की ओर जाने के लिए।
- **पीला:** मानिकपुर, सतना, झांसी की ट्रेन के लिए।
- **हरा:** कानपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों के लिए।

ट्रेवल गाइड

हवाई यात्राः जयपुर-प्रयागराज

- **13 जनवरी** को 15 विशेष फ्लाइट प्रयागराज के लिए जाएंगी।
- **14 जनवरी** को 3 व 15 जनवरी को 4 फ्लाइट हैं।
- **19 जनवरी** रविवार के दिन जयपुर से 18 फ्लाइट प्रयागराज के लिए जाएंगी।

वापसी के लिए...

- **21 फरवरी** को प्रयागराज से जयपुर की 14 फ्लाइट हैं।

22 फरवरी को 3, 23 फरवरी को 16, 24 फरवरी को 10, 25 फरवरी को 17 व 26 फरवरी को 18 फ्लाइट प्रयागराज से जयपुर आएंगी।

- इनकी कीमत 7 हजार से 27 हजार तक प्रति यात्री है।

रायपुर-प्रयागराज

- **13 जनवरी** को रायपुर से प्रयागराज की 7 फ्लाइट हैं।
- **14 जनवरी** को 6 और 15 को 7 फ्लाइट हैं।

वापसी के लिए..

- **24 फरवरी** को प्रयागराज से रायपुर से 16 फ्लाइट हैं।
- **25 फरवरी** को 6 और 26 को 4 फ्लाइट उपलब्ध रहेंगी।
- किराया प्रति यात्री 3599 से 39 हजार रुपए प्रति यात्री है।

इंदौर-प्रयागराज

- **13 जनवरी** को इंदौर-प्रयागराज के लिए 15 फ्लाइट शेड्यूल हैं।
- **14 जनवरी** को 13, 15 जनवरी को 5 फ्लाइट शेड्यूल हैं।

वापसी के लिए....

22 फरवरी को प्रयागराज से इंदौर के लिए 2 फ्लाइट हैं। 23 फरवरी को 3, 24 को 3, 25 को 2 और 26 फरवरी को 3 फ्लाइट हैं।

- किराया 7 से 16 हजार रुपए प्रति यात्री तक है।

दिल्ली-प्रयागराज

- **13 जनवरी** को 10 उड़ानें हैं। 14 जनवरी को 11 फ्लाइट शेड्यूल हैं
- **15 जनवरी** को 12 फ्लाइट शेड्यूल हैं।

वापसी के लिए...

22 फरवरी को 10 उड़ानें, 23 फरवरी को 11, 24 फरवरी को 12, 25 को 9 और 26 फरवरी को 10 फ्लाइट मिलेंगी।

- किराया 5 से 17 हजार रुपए प्रति यात्री हैं।

नोटः- एयरलाइंस का किराया परिवर्तनशील है

विशेष बस सेवाएं

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने प्रयागराज में आयोजित होने वाले 'महाकुंभ-2025' के लिए विशेष बस सेवा शुरू करने का एलान किया है। 12 जनवरी 2025 से जयपुर से प्रयागराज तक यह सेवा उपलब्ध होगी।

- **रूट और दूरी:** बस सेवा जयपुर से भरतपुर, आगरा, कानपुर होते हुए प्रयागराज तक जाएगी।
- **बस से कुल दूरी:** 750 किलोमीटर। यह सेवा 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शुरू की गई है।
- **दो श्रेणियों में बस सेवा:** यात्रियों की सुविधा के लिए दो प्रकार की बसें।
- **उपलब्ध होंगी:** ब्लू लाइन एक्सप्रेस बस
- **किराया:** 965 रुपए प्रति यात्री।
- **प्रस्थान (जयपुर से):** सुबह 5:00 बजे।
- **आगमन (प्रयागराज):** रात 8:00 बजे।
- **वापसी (प्रयागराज से):** सुबह 9:00 बजे।
- **जयपुर आगमन:** रात 12:00 बजे।
- **नॉन एसी स्लीपर बस:** किराया 1085 रुपए प्रति यात्री।
- **प्रस्थान (जयपुर से):** शाम 3:30 बजे।
- **आगमन (प्रयागराज):** अगले दिन सुबह 6:30 बजे।
- **वापसी (प्रयागराज से):** शाम 6:00 बजे।
- **जयपुर आगमन:** अगले दिन सुबह 9:00 बजे।
- **ऑनलाइन बुकिंग और संपर्क जानकारी:** यात्रियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। वेबसाइट rsrtconline.rajasthan.gov.in
- **संपर्क सूत्र:** 9549456746, 0141-2373044
- **टोल फ्री नंबर** 1800-2000-103

कार से जा रहे हैं तो यहां कर सकते हैं *पार्किंग*

करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को लेकर सात प्रमुख मार्गों का रूट मैप तैयार किया गया है। पहला जौनपुर मार्ग है, जो श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक सुगमता से पहुंचाने में मदद करेगा। इस मार्ग से आने वाले वाहनों को सहसों से गारापुर होते हुए मेला क्षेत्र तक विकसित सात पार्किंग स्थलों पर पार्क कराया जाएगा। ये सभी क्षेत्र मेला क्षेत्र से मात्र 500 मीटर से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। इसके अलावा वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। वहीं, वापसी सुनिश्चित करने के लिए ऐसा मार्ग तैयार किया गया है, जिससे किसी भी प्रकार का डबल मूवमेंट या क्रॉस मूवमेंट ना हो।

सात प्रमुख पार्किंग स्थल

1. **चीनी मिल खाली मैदान पार्किंग:** मेला क्षेत्र से इस पार्किंग स्थल की दूरी 0.5 किलोमीटर है।
2. **सूरदास पार्किंग (गारापुर रोड):** यह मेला क्षेत्र से 0.5 किलोमीटर की दूरी पर है।
3. **बरदा सोनौटी रहिमापुर मार्ग, उत्तरी:** यह मेला क्षेत्र से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
4. **बरदा सोनौटी रहिमापुर मार्ग, दक्षिणी:** यह भी मेला क्षेत्र से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. **समयामाई मंदिर कछार पार्किंग (गारापुर रोड):** यह मेला क्षेत्र से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
6. **लेखराजपुर पार्किंग:** यह मेला क्षेत्र से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
7. **रोडवेज वर्कशॉप पार्किंग (झूसी):** यह मेला क्षेत्र से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

महाकुंभ बना अभेद्य किला

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला प्रशासन ने तीन स्तरीय व्यवस्था तैयार की है। जनपदीय साइबर सेल, साइबर क्राइम थाना और हेल्पलाइन नंबर 1920 व 1930 के माध्यम से 24/7 निगरानी की जा रही है। यह पहली बार है जब कुंभ में एक साइबर टीम तैनात की गई है। 14-सदस्यीय टीम को निगरानी और साइबर अपराध को सुलझाने का काम सौंपा गया है।

- **पहली** बार यूपी पुलिस ने नदी के तल पर गश्त करने के लिए उन्नत इमेजिंग क्षमताओं से लैस अंडरवाटर ड्रोन तैनात किए हैं। रिमोट-नियंत्रित लाइफबॉय के साथ यह ड्रोन 24/7 जलीय निगरानी कर रहे हैं। यह कमांड सेंटर को रियल टाइम का डेटा भेज रहे हैं।
- **11 भाषाओं** में एआई-संचालित चैट-बॉट लॉन्च किया है, जो नेविगेशन में मदद करने के लिए गूगल मैप्स के साथ काम कर रहे हैं।
- **37,000** से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जिनमें 1,378 महिला अधिकारी शामिल हैं।
- **आग** लगने की स्थिति में आर्टिकुलेटिंग वॉटर टावरों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। थर्मल इमेजिंग से लैस यह टावर 35 मीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।
- **बम** खोज एवं निरोधक दस्ता और सीआरपीएफ की टीमें भी मौजूद हैं।

मेला क्षेत्र में 125 बेड का केन्द्रीय अस्पताल बनाया गया

महाकुंभ मेला क्षेत्र में 125 बेड का केन्द्रीय अस्पताल बनाया गया, जिसमें सभी सुविधाएं उपलब्ध है। इसके अलावा प्रयागराज रेलवे स्टेशन के हर प्लेटफॉर्म पर मेडिकल बूथ बनाया गया है। जहां डॉक्टर्स और पैरामेडिकल की टीम तैनात रहेगी। वहां हर तरह की प्राथमिक चिकित्सा दी जाएगी। इसके अलावा यदि किसी व्यक्ति की हालत गंभीर हो जाती है, तो रेलवे स्टेशन पर बने छह बेडेड हॉस्पिटल में भर्ती किया जाएगा। यहां मिनी आईसीयू भी बनाया गया है। इसके अलावा लगभग 10 एकड़ में नेत्र कुंभ बनाया गया है। इसमें कुल 11 हैंगर बनाए गए हैं। एक बड़ा हैंगर बनाया गया है, जहां सभी श्रद्धालु एकत्र होंगे। इसके बाद उन्हें दो अलग-अलग ओपीडी चैंबर में भेजा जाएगा, जहां वे अपना पंजीकरण करवाकर डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे। इस नेत्र कुंभ के अंतर्गत गतवर्ष 11 हजार से अधिक लोगों ने अपनी आंखें दान की थीं। साथ ही सबसे अधिक चश्मे बांटने और आंखों की जांच करने के कारण इसे लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया जा चुका है।

स्वास्थ्य को लेकर कुछ आवश्यक सुझाव

सर्दी के मौसम में यात्रा के दौरान सेहत का ध्यान रखना और बीमारियों से बचाव के उपाय करना बेहद जरूरी है। जयपुरिया अस्पताल के सीनियर फिजीशियन डॉ. शिशिर हाड़ा ने बताए कुछ सुझाव...

ऐसे तैयार करें मेडिकल किट

मेडिकल किट में आपको सर्दी, खांसी और बुखार के साथ गैस और उल्टी-दस्त के लिए दवाइयां शामिल करनी चाहिए। दर्द निवारक गोलियों के साथ ही मांसपेशियों के दर्द के लिए तेल अथवा मरहम भी रखें। एंटीसेप्टिक क्रीम, बैंडेज, रूई और मास्क जरूर लें। ब्लड प्रेशर मॉनिटर, अस्थमा के मरीज दवा के साथ इनहेलर ले जाना न भूलें।

सर्दी से बचाव

स्वेटर, जैकेट, टोपी, दस्ताने के साथ ही ऊनी मौजे और आरामदायक जूते पहनें। चाय, सूप, और अन्य गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें। स्वच्छता का ध्यान रखना बीमारियों से बचने का सबसे आसान तरीका है। हैंड सैनेटाइजर और गीले टिशू हमेशा साथ रखें। भोजन करने से पहले और बाद में हाथ धोएं। केवल स्वच्छ और पैकेज्ड पानी का ही सेवन करें।

खानपान का विशेष ध्यान रखें

डॉक्टर के मुताबिक यात्रा के दौरान हल्का और सुपाच्य खाना खाने से ऊर्जा बनी रहेगी और आप स्वस्थ रहेंगे। घर का बना हुआ खाना ले जाना अच्छा विकल्प है। सूखे मेवे सेहत के लिए लाभकारी होते हैं। इनके सेवन से इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। सेहतमंद रहने के लिए बजाय जूस पीने के हमेशा ताजे फलों का सेवन करें।

मास्क का उपयोग

ब्लड प्रेशर और अस्थमा के मरीज यात्रा के दौरान अत्यधिक थकान और अनियोजित कार्यक्रम से बचने के लिए यात्रा का समय और ठहरने की जगह पहले से तय कर लें। डॉक्टर या नजदीकी मेडिकल सेंटर की जानकारी साथ रखें। छोटे-छोटे ब्रेक लें ताकि शरीर को आराम मिल सके। थकान होने पर आराम करें और पर्याप्त नींद लें। अत्यधिक भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें। अपने परिवार एवं दोस्तों को अपनी यात्रा की योजना और स्थानों के बारे में जानकारी दें। यात्रा बीमा कराना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

साधु सिर पर लंबे बाल या लंबी जटा क्यों रखते हैं?

साधुओं के लंबे बाल रखने का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों व धर्मशास्त्रों में मिलता है। इन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा और तपस्या का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि इनमें ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रवाह होने से शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बना रहता है। यह ज्यादातर अपनी जटाओं को साफ करने के लिए भभूत का इस्तेमाल करते हैं।

12 साल में ही क्यों लगता महाकुंभ?

कुंभ मेला की तिथियां खगोलीय घटनाओं के आधार पर तय होती हैं। जब बृहस्पति ग्रह कुंभ राशि में प्रवेश करता है और सूर्य मकर राशि में होता है, तब कुंभ मेले का आयोजन होता है। बृहस्पति को अपनी कक्षा में प्रवेश करने में 12 साल का समय लगता है, इसलिए कुंभ 12 साल में आयोजित होता है।

छह मुख्य शाही स्नान

- **ज्योतिष शास्त्र** के अनुसार इस योग के दौरान संगम में पवित्र डुबकी अत्यंत लाभकारी है। महाकुंभ में मुख्य रूप से 6 शाही स्नान होंगे, जो कि इस प्रकार हैं...
- **पहला शाही स्नान** पौष पूर्णिमा **13 जनवरी** को किया जाएगा, जो महाकुंभ की शुरुआत का प्रतीक माना जाएगा।
- **दूसरा पवित्र स्नान** मकर संक्राति **14 जनवरी** को किया जाएगा।
- **तीसरा शाही स्नान** मौनी अमावस्या **29 जनवरी** को किया जाएगा। (इस दिन जब आप स्नान के लिए निकलें तो डुबकी लगाने तक मौन रहें। मान्यता है कि ऐसा करने से अत्यधिक पुण्य की प्राप्ति होती है।)
- **चौथा शाही स्नान** बसंत पंचमी **3 फरवरी** को किया जाएगा।
- **पांचवां पवित्र स्नान** माघी पूर्णिमा **12 फरवरी** को किया जाएगा।
- **छठां शाही स्नान** महाशिवरात्रि **26 फरवरी** को किया जाएगा। यह इस बार के महाकुंभ का आखिरी दिन होगा।

मुख्य स्नान के दिन यह प्रतिबंध

यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुगम निकासी के लिए रेलवे स्टेशनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वह प्रतिबंध मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से मुख्य स्नान दिवस के दो दिन बाद तक लागू रहेंगे। टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, एटीवीएम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी। यह रहेंगे प्रतिबंध...

प्रयागराज जंक्शन

- **प्रवेश** केवल सिटी साइड (प्लेटफॉर्म नं. 1 की ओर) से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल सिविल लाइंस साइड की ओर दिया जाएगा।
- **अनारक्षित** यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को सिटी साइड से गेट नंबर 5 के माध्यम से अलग से प्रवेश दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को उनकी ट्रेन आने के 30 मिनट पहले ही प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी।

नैनी जंक्शन

- **प्रवेश** केवल स्टेशन रोड से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल मालगोदाम की ओर (द्वितीय प्रवेश द्वार) की ओर दिया जाएगा।
- **अनारक्षित** यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को गेट नंबर 2 से प्रवेश दिया जाएगा।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन

- **प्रवेश** केवल प्रयागराज-मिजापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल जी.ई.सी नैनी रोड (प्रथम प्रवेश) की ओर दिया जाएगा।
- **अनारक्षित** यात्रियों कों दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को गेट नंबर 2 से प्रवेश दिया जाएगा।

सूबेदारगंज स्टेशन

- **प्रवेश** केवल झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से दिया जाएगा और निकास केवल जी.टी. रोड की ओर दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को गेट नंबर 3 से प्रवेश दिया जाएगा।

प्रयाग जंक्शन

- **प्रवेश** केवल चैथम लाइन (प्लेटफॉर्म नं.-1) की ओर से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल रामप्रिया रोड (प्लेटफॉर्म नं.- 4) की ओर से होगा।

फाफामऊ स्टेशन

- **प्रवेश** केवल द्वितीय प्रवेश द्वार (प्लेटफॉर्म नं.-4) की ओर से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल फाफामऊ बाजार (प्लेटफॉर्म नं.-1) की ओर दिया जाएगा।
- **आरक्षित** यात्रियों को सहसों मार्ग से द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर से ले जाकर द्वितीय प्रवेश द्वार से ही प्रवेश दिया जायेगा।

प्रयागराज रामबाग स्टेशन

- **प्रवेश** केवल हनुमान मंदिर चौराहा की ओर से मुख्य प्रवेश द्वार से दिया जाएगा।
- **निकास** केवल लाउदर रोड की ओर दिया जाएगा।

झूसी स्टेशन

- **प्रवेश** और निकास की सुविधा स्टेशन के दोनों ओर से दी जाएगी।
- **अनारक्षित** यात्रियों कों दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

महाकुंभ में गंगा में चलेंगी 3000 से अधिक नाव

महाकुंभ के दौरान साढ़े तीन हजार नावों का संचालन किया जाएगा। इसके लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मेला क्षेत्र के कुल 12 घाटों को चिह्नित किया है। एक नाव में दो नाविक के अलावा 10 से अधिक सवारी नहीं बैठेगी। सभी सवारों को अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनाना नाविक की जिम्मेदारी होगी। इसी के साथ ही कुंभ मेले में व्यावसायिक, सरकारी बड़ी नावों और स्टीमरों के चलाने पर रोक रहेगी। जल पुलिस प्रमुख स्नान तिथियों पर नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करेगी। साथ ही इमरजेंसी के लिए पुलिस व आपदा प्रबंधन की टीमें तैनात रहेंगी।

ये घाट बंद रहेंगे

महाकुंभ मेले के दौरान रामघाट, झूंसी और राजघाट को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

इन बातों का रखें ध्यान

■ **महाकुंभ** में साधु-संतों का विशेष स्थान होता है। यदि आप उनसे पहले स्नान करते हैं, तो यह उनके अपमान को दशार्ता है।

■ **पवित्र** स्नान से पहले व्रत या उपवास का पालन करना चाहिए। महादेव की प्रार्थना और मंत्रोच्चारण करना चाहिए।

■ **महाकुंभ** में संयमित आचरण करें। दूसरों का सम्मान करें और धैर्य बनाए रखें। आपके कारण कोई आहत न हो।

■ **गंगा** को स्वच्छ रखना श्रद्धालुओं का परम कर्तव्य है। कचरा या अनावश्यक चीजें सिर्फ कचरापात्र में ही डालें।

■ **किसी** अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई कोई भी चीज या प्रसाद न लें। अनजान व्यक्ति से खाने की चीजें न लें।

■ **कोई** लावारिस वस्तु पड़ी दिखे, तो पुलिस अथवा स्वयंसेवकों को सूचित करें। जेबकतरों से सावधान रहें।

■ **कतार** में चलें और अपने आगे चलने वाले लोगों को धक्का न दें।

■ **रसोई** गैस सिलेंडर, केरोसिन, केरोसिन स्टोव, पुवाल आदि जैसी ज्वलनशील सामग्रियां अपने साथ लेकर न चलें।

■ **अपना** निजी सामान लावारिस न छोड़ें।

■ **बच्चे** साथ हैं तो उन्हें अपने मोबाइल नंबर याद करवा दें। कुंभ में पहुंचते ही उन्हें खोया-पाया सेंटर की जानकारी दें। ताकि खो जाने पर वे आपसे वहीं मिल सकें।

■ **कुंभ** के लिए जारी किए गए सभी हैल्पलाइन नंबर मोबाइल में सेव कर लें।

■ **अपनी** पहचान संबंधी सभी जरूरी आईडी साथ रखें (आधार कार्ड या अन्य सरकार से जारी आईडी) इन्हें मोबाइल में भी सेव कर लें।

■ **यह आस्था** का पर्व है। हर प्रकार के नशे और व्यसन से बचें। इस प्रकार की कोई भी सामग्री अपने साथ न ले जाएं।

आवश्यक नंबर्स और वेबसाइट

- होटल, व्हील चेयर, लगेज ट्रॉली, टैक्सी बुकिंग - 9170228222
- महाकुंभ हेल्पलाइन नंबर - 1920
- मेला पुलिस हेल्पलाइन नंबर - 1944
- फायर सर्विसेज नंबर - 1945
- एम्बुलेंस हेल्पलाइन - 102/108
- पर्यटन विभाग नंबर: 6389300497, 78007422, 8626927652

प्रयागराज मेला अथॉरिटी सम्पर्क

पता: परेड ग्राउंड, दारागंज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211006 (लोकेशन के लिए **क्यूआर कोड** स्कैन करें।)

फोन: 0532-2504011, 2500775

ईमेल

info.mahakumbh25@gmail.com

महाकुंभ 2025 से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं

https://kumbh.gov.in/

महाकुंभ 2025 के लिए आपका व्यक्तिगत मार्गदर्शक:

इस 'पर्सनल एआई गाइड' यानी कुंभ सहायक (व्हाट्सऐप - निर्देश पुस्तिका) के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जाएं/क्यूआर कोड स्कैन करें

https://kumbh.gov.in/en/kumbhsahayak

https://chatbot.kumbh.up.gov.in/login

ऊपर दिए गए लिंक पर जाएं या बाईं ओर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें, फिर पहले मोबाइल नंबर और अपने फोन पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज करें। इस तरह आप आधिकारिक साइट पर ये जानकारी प्राप्त कर सकते हैं: 1. महाकुंभ के बारे में, 2. यात्रा एवं आवास, 3. आकर्षण, 4. टूर और पैकेज

13 से 18 जनवरी तक

प्रयागराज में अधिकतम तापमान 19 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच, और न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। कोहरा मध्यम, जबकि हल्की बूंदाबांदी या बौछारें पड़ सकती हैं।

(भारत मौसम विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान)

हर घंटे, हर तीन घंटे और साप्ताहिक मौसम की जानकारी अपडेट कर रहा है मौसम विभाग: https://mausam.imd.gov.in/mahakumbh/

'मौसम' ऐप के लिए स्कैन करें

Android | Apple

AQI

12 जनवरी को 94 के आसपास दर्ज किया गया था। आगामी दिनों में वायु गुणवत्ता का स्तर संतोषजनक (AQI : 51 से 100) से मध्यम (AQI: 101-200) रहने का अनुमान है।

पत्रिका एफएम तड़का आपके साथ...

fm. tadka VIBE ON

- **महाकुंभ** के दौरान ***13 जनवरी 26 फरवरी*** तक पत्रिका एफएम तड़का आपके साथ रहेगा।
- **खोये** लोगों और खोई चीजों के लिए एफएम तड़का का विशेष ***'खोया-पाया शो',*** प्रयागराज में रोजाना सुनने के लिए ट्यून इन करें- ***106.4 एफएम तड़का।***
- **आरजे** शादाब के शो ***प्रयागराज लोकल*** में रोजाना ***सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे*** महाकुंभ के बारे में सभी जरूरी जानकारी।
- **हजारों-लाखों** की भीड़ में ***कुछ लोग खो जाते हैं,*** किसी की कोई चीज खो जाती है, इन सबसे जुड़ी अपडेटेड जानकारी ***एफएम तड़का के 'खोया-पाया शो'*** में देंगे।
- **आयोजन** में ***खोया-पाया*** की जिम्मेदारी से जुड़े ***प्रशासन-अधिकारियों*** से मिलने वाली सूचनाओं और जानकारी का हर दिन प्रसारण।
- **खोया-पाया** से जुड़ी जानकारी सीधे ***आरजे शादाब*** को भी भेज सकते हैं। ***क्यूआर कोड स्केन कर*** उनके इंस्टाग्राम पेज ***'तड़का आरजे शादाब'*** पर जानकारी शेयर कर सकते हैं।

https://www.instagram.com/tadka_rjshadab?igsh=YmZkMHlvNGznNwhk

- **तड़का** का स्पेशल 26 में बहुत कुछ खास
- **1-1 मिनट** के इस रेडियो कैप्सूल में सुनें महाकुंभ से जुड़ी हर रोचक और उपयोगी जानकारी, ए टू जेड, 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रतिदिन, दिनभर।

संगम किनारे भजन धारा

सहस्त्रं कार्तिके स्नानं माघे स्नान शतानि च।
वैशाखे नर्मदा कोटी कुंभ स्नानेन तत्फलम्॥
अश्वमेध सहस्त्राणि वाजपेय शतानि च।
लक्षं प्रदक्षिणा भूमेः कुंभ स्नानेन तत्फलम्॥

भावार्थ

कुंभ (महाकुंभ) में किए गए एक स्नान का फल कार्तिक मास में किए गए हजार स्नान, माघ मास में किए गए सौ स्नान व वैशाख मास में नर्मदा में किए गए करोड़ों स्नान के बराबर होता है। हजारों अश्वमेध, सौ वाजपेय यज्ञों तथा एक लाख बार पृथ्वी की परिक्रमा करने से जो पुण्य मिलता है, वह कुंभ में एक स्नान करने से प्राप्त हो जाता है।

मंगलकामनाओं के साथ
पत्रिका समूह